अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष—10 अंक—249 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 8 दिसम्बर 2021 पृष्ठ — 8 मूल्य—3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं के लिए अलग घोषणा पत्र जारी करेगी कांग्रेस

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस एक नई रणनीत पर काम करते हुये, इस बार महिलाओं के लिए एक अलग घोषणा पत्र जारी करेगी। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पार्टी के महिला घोषणा पत्र पर पिछले दो दिनों से लखनऊ स्थित कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस नेताओं के साथ विचार विमर्श कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार मंगलवार को भी महिला घोषणा पत्र को अंतिम रूप देने के लिये वाड्रा ने बैठक बुलायी है। वाड्रा, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की कांग्रेस की प्रभारी भी हैं। प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को घोषणा पत्र कमेटी के अलावा चार्जशीट कमेटी की भी बैठक बुलाई गई है। विभिन्न समितियों की बैठकों के अलावा वाड्रा पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगी। सूत्रों की माने तो कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों में पहली बार महिलाओं के लिए अलग घोषणा पत्र जारी करने की पहल की है। इसमें छात्राओं को पिंक स्कूटी वितरित करने के चुनावी वादे के अलावा महिला विकास एवं सशक्तिकरण के लिए किये जाने वाले कामों की चर्चा होगी। बता दें कि सोमवार को कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा घोषणा पत्र कमेटी की बैठक में शामिल हुई थी। इसके अलावा गांधी ने समन्वय समिति एवं चुनाव प्रचार अभियान समिति की बैठक में हिस्सेदारी की थी। कांग्रेस ने इस बार अपने घोषणा पत्र में युवाओं, किसानों, महिलाओं, व्यापारियों तथा वंचित वर्ग के तबकों सहित सभी अन्य वर्गों के हित साधने की कार्ययोजना घोषित करने की बात कही है।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के संग की बैठक

अवध की आवाज

उरई (जालौन) जिलाधिकारीध जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने विधान सभा निर्वाचन–2022 को स्वतन्त्र निष्पक्ष एवं शान्ति पूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में सभी प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। उन्होने समस्त प्रभारी अधिकारियो को निर्देशित करते हुये कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों को पूर्ण वनोयोग के साथ अध्ययन कर ले। उन्होने कहा कि आगामी विधान सभा चुनाव देखते हुये सभी अधिकारी अग्रमि शर्तरिता बरते। उन्होने निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण चुनाव को सम्पन्न कराने हेतु सभी प्रकार की अग्रिम तैयारियो को पूर्ण करने हेतु अधिकारियो को निर्देशित किया उन्होने कहा कि अपने कार्यालय के सभी कार्मिको को कोविड सक्रमण से सुरक्षित रहने के लिये दोनो डोज लगवाना सुनिश्चित करे। उन्होने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि शतप्रतिशत मतदान एवं मतदाताओं संख्या बढ़ाने के लिये स्वीप निरन्तर चलाये जाये उन्होने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदेश आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन कराया जाये।

भाजपा संसदीय दल की बैठक में संसद से गायब रहने वाले सांसदों को पीएम मोदी ने दी कड़ी नसीहत, सक्रिय भागीदारी करने का निर्देश

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। भाजपा संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी के सभी सांसदों को संसद में उपस्थित रहकर विधायी कार्यों में सक्रिय भागीदारी करने का निर्देश दिया। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने सभी सांसदों को संसद में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि बार–बार बच्चों की तरह आप लोगों को एक ही बात कहना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि आप लोग अपने–अपने व्यवहार में परिवर्तन लाइए, नहीं तो परिवर्तन हो जाता है। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी सांसदों को संसद के शीतकालीन सत्र के बाद अपने–अपने संसदीय क्षेत्रों में जाकर जिलाध्यक्षों और मंडल अध्यक्षों के साथ संवाद करने और उन्हें चाय पर चर्चा के लिए बुलाने को कहा तो तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वो 14 दिसंबर को वाराणसी में अपने संसदीय क्षेत्र के जिलाध्

यक्ष और मंडल अध्यक्षों को चाय पर बुलाएंगे। भाजपा संसदीय दल की बैठक के बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी सांसदों को सांसद खेल स्पर्धा, सांसद तंदुरुस्त बाल स्पर्धा, सूर्य नमस्कार स्पर्धा का आयोजन करने के साथ–साथ अपने –अपने क्षेत्रों में रहने वाले पद्म पुरस्कार विजेताओं के संपर्क में रहने और उनके साथ निरंतर संवाद करने का भी निर्देश दिया।

प्रयागराज में दलित परिवार के चार लोगों की हत्या के मामले में दो और लोग गिरफ्तार

प्रयागराज, (वेब वार्ता)। प्रयागराज जिले के फाफामऊ थाना क्षेत्र के गोहरी गांव में दलित वर्ग के एक परिवार के चार लोगों की हत्या के मामले में पुलिस ने सोमवार को और दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक (गंगापार) अभिषेक कुमार अग्रवाल ने बताया कि पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले थे जिसमें मोबाइल की रिकॉर्डिंग और चौट शामिल है। इस संबंध में परिस्थितिजन्य साक्ष्य के मद्देनजर शशि पटेल और रजनीश पटेल को गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि फॉरेंसिक जांच में कुछ रिपोर्ट लंबित है। मामले की जांच में सहयोग नहीं करने के लिए इन दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मश्तक परिवार ने जिन 11 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी, उनके नमूने भी डीएनए जांच के लिए भेजे गए हैं। अग्रवाल ने बताया कि सोमवार को जिन दो लोगों को गिरफ्तार किया गया उनके मोबाइल में रिकॉर्डिंग, चौट और आपत्तिजनक फोटो मिले हैं। घटना से पहले के चौट भी इनके मोबाइल में मिले हैं। पुलिस विस्तश्त जांच कर रही है और समुचित धाराओं में इनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। इससे पहले पुलिस ने मामले में पवन सरोज नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक, पवन सरोज लगातार पीड़ित परिवार की एक लड़की को परेशान करता था और उसके मोबाइल पर मैसेज भेजता था। अंतिम मैसेज और परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर पवन सरोज को गिरफ्तार किया गया। वहीं, गोहरी हत्याकांड मामले में आरोपी 11 लोगों में से चार लोगों को एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेजा जा चुका है। उल्लेखनीय है कि फाफामऊ के गोहरी गांव में 24 नवंबर की रात दलित परिवार के चार लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद 26 नवंबर को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पीड़ित परिवार की महिलाओं का दुख साझा किया और इस घटना को लेकर सरकार पर निशाना साधा था। वहीं, बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने भी इस घटना को लेकर योगी आदित्यनाथ के नेतश्त्व वाली सरकार की आलोचना की थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटियों को गृह ऋण दिलाने हेतु प्राधिकरण भवन में लगाया गया शिविर

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटियों की सुविधा के लिए मंगलवार को प्राधिकरण भवन में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बैंक ऑफ इण्डिया के अधिकारियों द्वारा आवंटियों को गृह ऋण से सम्बन्धित समुचित जानकारी दी गई। इस मौके पर कई आवंटियों ने समस्त औप चारिकताएं पूरी करते हुए गृह ऋण के लिए आवेदन भी किया। यह शिविर 08 एवं 09 दिसम्बर, 2021 को भी जारी रहेगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शारदानगर तथा बसंतकुंज योजना में लगभग 4500 मकान आवंटित किये हैं। इन भवनों की कीमत 6.50 लाख रूपये है, जिसमें सरकार द्वारा प्रत्येक लाभार्थी को 2.50 लाख रूपये का अनुदान दिया जा रहा है। वहीं लाभार्थियों को अपनी तरफ से लगभग 4.00 लाख रूपये जमा करने हैं। कई लाभार्थियों द्वारा इतना पैसा जमा करने में असमर्थता जताते हुए प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी से मुलाकात करके इस समस्या का समाधान कराने की अपील की गई थी। इसको ध्यान में रखते हुए उपाध्यक्ष ने बैंकों के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। जिसमें एक ही पटल पर समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए लाभार्थियों को गृह ऋण दिलाने का फैसला लिया गया। इस क्रम में बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा दूसरी बार प्राधिकरण भवन में लोन शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बैंक कर्मियों के अलावा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे लाभार्थियों ने जानकारी हासिल की। प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभारी विशेष कार्याधिकारी डी. के सिंह ने बताया कि इस तीन दिवसीय शिविर के पहले दिन 184 आवंटियों ने लोन के लिए सम्पर्क किया। इस दौरान 120 आवंटियों ने पूर्ण दस्तावेज जमा करके गृह ऋण के लिए आवेदन भी कर दिया। बैंक ऑफ इण्डिया के मार्केटिंग हेड अमरीश तिवारी ने बताया कि इस योजना के आवंटियों को 3.20 लाख रूपये तक का गृह ऋण दिया जा रहा है।

अवध की आवाज ब्यूरा

कहोबा चौराहा गोंडा कानपुर नगर में 'किसान चौपाल' आयोजित किया गया। आए हुए सभी वर्ग के अपने किसानों से मिलने का अवसर मिला। भारतीय किसान कामगार मजदूर सभा भाजपा समर्पित के संस्थापक एवं राष्ट्रीय संयोजक श्रवण तिवारी (अनंत देव) जी ने कहा योगी जी और मोदी जी और उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भाजपा स्वतंत्र देव सिंह जी के हाथों को मजबूत करना है 2022 में फिर एक बार भाजपा सरकार राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती चिंतन तिवारी जी के साथ सहभागिता की। बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिनेश यादव जी ने सभी आए हुए किसानों को धन्यवाद, कृषि से सम्बंधित सभी विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

गोरखपुर में बोले सीएम योगी, मोदी है तो मुमकिन है नारे को प्रधानमंत्री ने किया संभव

गोरखपुर। गोरखपुर जिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 हजार करोड़ की लागत से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट खाद कारखाना, एम्स और बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज के रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर (आरएमआरसी) का लोकार्पण करने पहुंचे। इस दौरान सीएम योगी ने जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जो विपक्ष के लिए असंभव और नामुमकिन था उसे अपने नाम के अनुरूप श्मोदी है तो मुमकिन है से प्रधानमंत्री ने संभव कर दिखाया है। 2016 में प्रधानमंत्री ने गोरखपुर के इसी खाद कारखाने का शिलान्यास किया था, जो आज बनकर तैयार है। जो पहले से 4 गुना ज्यादा क्षमता का है। गोरखपुर का फर्टिलाइजर का कारखाना 1990 को बंद हो गया था। तब से लेकर 2014 तक 24 वर्षों तक किसी ने इसकी सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि गोरखपुर को लगातार माना जाता था कि यहां बीमारी है। यहां दिमागी बुखार, मलेरिया आदि विषाणुजनित बीमारियों से मौतें होती थीं। तब 2016 में आदरणीय प्रधानमंत्री ने इसी एम्स का शिलान्यास किया था और आज उद्घाटन भी कर रहे हैं। आज आप देखेंगे कि यूपी में मेडिकल कॉलेज की श्रृंखला तैयार हो रही है। आज यूपी 59 जनपदों में मेडिकल कॉलेज है और अन्य जनपदों में भी मेडिकल कॉलेज बनाने की कार्रवाई चल रही है। सीएम ने कहा कि पूर्वी यूपी में पिछले कई दशकों से बीमारी से चलते हर वर्ष हजारों मौतें होती थीं लेकिन पिछली सरकारों ने उनकी स्वास्थ्य की परवाह नहीं की थी। सभी को उनके हाल पर छोड़ दिया था। आज प्रधानमंत्री पूर्वी यूपी को एम्स की सुविधा देने आए हैं जो यहां के साथ आस–पास के लोगों के लिए वरदान होगा।

राघव अग्निहोत्री ने किया नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव का यमुना पुल पर भव्य स्वागत

अवध की आवाज

कालपी। बुंदेलखंड के प्रवेश द्वार कालपी में समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह यूथ विंग्रेड के नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव दानिश का काफिला जैसे ही दुर्गा मंदिर चौरहे पहुँचा वैसे ही वहाँ पहले से मौजूद सैकड़ों समाजवादी कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी जिंदाबाद,अखिलेश यादव जिन्दाबाद, मुलायम सिंह यादव जिंदाबाद के गगनभेदी नारे लगाने शुरू कर दिया ,और फिर कार्यक्रम स्थल पर अपने साथियों संग पहले से मौजूद कालपी विधानसभा क्षेत्र से प्रबल दावेदार राघव अग्निहोत्री ने भारी भरकम माला पहनाकर नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव दानिश का भव्य स्वागत किया।

शिकायत के बाद भी अभियंत्रण विभाग से कार्यमुक्त नहीं हो रहा ड्राफ्टमैन अवर अभियंता राजेश

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। एलडीए मे वर्षों से तैनात ड्राफ्टमैन राजेश कर रहा अवर अभियंता का कार्य, लखनऊ विकास प्राधिकरण में व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते ड्राफ्ट्समैन के पद पर नियुक्त राजेश श्रीवास्तव की ऊंची पहुंच के चलते तत्कालीन अधिशासी अभियंता डीसी श्रीवास्तव के द्वारा चहेते ड्राफ्टमैन राजेश कुमार श्रीवास्तव को प्राधिकरण के अभियंत्रण जोन 1 मे अवर अभियंता के पद पर सौगात दे दी गयी,नियम विरुद्ध ड्राफ्ट्समैन को अवर अभियंता के पद पर दी गई तैनाती को लेकर प्राधिकरण के एक अवर अभियन्ता के द्वारा की गई शिकायत के बाद आला अधिकारियों के द्वारा ड्राफ्टमैन को प्रभारी अवर अभियंता के पद से हटाकर मुख्य अभियंता कार्यालय से संबद्ध किये जाने से यह स्पष्ट हो गया है कि किसी बड़े आला अफसर का हाथ तो जरूर है, वही वर्षो से मोटी कमाई वाले अनुभाग अभियंत्रण से कार्यमुक्त न किये जाने से स्पष्ट हो रहा है कि प्रभावशाली अधिकारियो द्वारा ही नियम विरुद्ध ड्राफ्टमैन राजेश कुमार श्रीवास्तव को मोटी कमाई करने के लिए प्रभारी अवर अभियन्ता के पद पर आसीन करके बरसों से मोटी कमाई करवाई जा रही है–? क्रमशः आगे.....

स्कूल वैन में गैस भरते समय अचानक लगी आग, मचा हड़कंप

अवध की आवाज

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर जिले में बिंदकी के आरएसजी स्कूल में उस समय हड़कंप मच गया जब वैन में लगे एलपीजी सिलिंडर में गैस भरते समय अचानक आग लग गई। पास में खड़ी दूसरी वैन और बाइक भी आग की चपेट में आई। बताया जा रहा है कि कुछ देर पहले ही स्कूल की छुट्टी हुई थी। घटना के वक्त स्कूल में करीब 25 बच्चे मौजूद थे। हादसा होते ही बच्चों को स्कूल में बंद कर दिया गया। जिसके बाद फायर ब्रिगेड बुलाई गई। जानकारी मिलते ही दमकल ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग से स्कूल की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई।

बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया

अवध की आवाज

कानपुर। आधुनिक भारत के निर्माता सभी को एक सूत्र में पिरोने वाले एक समान अधिकार ज्ञान के सूर्य, विश्वरत्न,परम् बोधिसत्व, दलितों, पिछड़ों, वंचितों एवँ नारियों के मुक्त दाता बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस भारतीय जीवन बीमा निगम जोनल ऑफिस गेट मॉल रोड पर आज दोपहर 1.31 बजे पहुंच मनाया गया जिसमें क्षेत्रीय प्रबंधक आर पी गुप्ता,प्रादेशिक प्रबंधक (कार्मिक) सतीश कौल , प्रादेशिक प्रबंधक (E&OS) श्रीमती अंजना शर्मा ,प्रादेशिक प्रबंधक अनिल सुयाल(IT) वरिष्ठ मंडल प्रबंधक एम आर शर्मा, विपणन प्रबंधक एस सी गौतम ,प्रबंधक(MASH)एस के गौतम,प्रबंधक (कार्मिक) राजीव सोनी ,प्रबंधक सेल्स अरविंद सिंह , प्रबंधक दावा शंकर राम राजेश कुमार सोनकर सचिव सचिव (OS/PA),प्रबंधक लेखा श्रीमती अर्पणा आनंद, कल्याण संघ के पदाधिकारी आर के आजाद , गोपाल गोठी झ,जगदीश कुमार, राकेश चौधरी, राकेश कुमार,दीपक हजारिया, कृष्ण लाल, अनिल दिवाकर, हरिनाथ,पी के सुमन ,प्रमोद कुमार ,अतुल वर्मा,राजेश चौधरी,अनिल गौतम,श्रीमती शशीकला, श्रीमतीपुष्पा मोहन, श्रीमती राकेश कुमारी, संजीव कुमार,जुगल किशोर, राम शंकर अनुभव राव ,संजीव कनौजिया, अशोक गौतम जी, डॉ राजेंद्र, मोहित सोनकर, रोहित सोनकर,नीरज वर्मा,वीरेंद्र कमल,धर्मेंद्र कुमार,अजय कुमार, चंद्र प्रकाश एवँ अन्य तमाम साथी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

वसीम रिजवी प्रकरण: गांधीजी ने भी हिन्दू धर्म को सर्वश्रेष्ठ माना था

उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी अंततः सनातनी हो गये। कहा जा रहा है कि उन्होंने इस्लाम धर्म छोड़कर हिन्दुत्व को अपना लिया है। वसीम रिजवी कहते हैं कि इस्लाम कोई धर्म ही नहीं है। पता नहीं वसीम साहब किस अर्थ में ऐसा कह रहे हैं। वैसे धर्म अपने आप में बहुत गूढ़ है और यह मानव धर्म तक जाता है।

याद करें कि वसीम रिजवी की किताब 'मुहम्मद' पर बहुत शोरशराबा हो चुका है। उसमें उन्होंने कुरान की 35 आयतों को आतंक भड़काने तक का जिम्मेदार बताया। पुस्तक के लिए उन्होंने विभिन्न धार्मिक ग्रंथों से कम से कम 350 संदर्भ लेने का दावा भी किया है। बहरहाल, जब वसीम रिजवी हिन्दुत्व अपनाने को सनातनी होना कहते हैं, हमें इस पर विचार करना चाहिए। इस अर्थ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की याद आती है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में जब वसीम रिजवी ने नया कदम उठाया है, राष्ट्रपिता गांधीजी का कथन याद करें।

वैसे, गांधीजी ने धर्म पर बहुत कुछ कहा है। यहां संदर्भित कथन इस प्रकार है– "मैं समझा दूं कि धर्म से मेरा क्या मतलब है। मेरा मतलब हिंदू धर्म से नहीं है, जिसकी मैं बेशक और धर्मों से ज्यादा कीमत आंकता हूं। मेरा मतलब उस मूल धर्म से है जो हिंदू धर्म से कहीं उच्चतर है, जो मनुष्य के स्वभाव तक का परिवर्तन कर देता है, जो हमें अंतर से सत्य से अटूट रूप से बांध देता है और जो निरंतर अधिक शुद्ध और पवित्र बनाता रहता है। वह मनुष्य की प्रकृति का ऐसा स्थायी तत्व है जो अपनी संपूर्ण अभिव्यक्ति के लिए कोई भी कीमत चुकाने के लिए तैयार रहता है और उसे तब तक बिल्कुल बेचैन बनाए रखता है, जब तक उसे अपने स्वरूप का ज्ञान नहीं हो जाता तथा स्रष्टा के और अपने बीच का सच्चा संबंध समझ में नहीं आ जाता।" (गांधी वाङ्मय–17/442)

प्रश्न है कि क्या वसीम रिजवी ने गांधीजी की तरह हिन्दू धर्म को इसलिए अपनाया है, क्योंकि गांधीजी के ही शब्दों में उसकी 'बेशक और धर्मों से ज्यादा कीमत' है। ध्यान दें कि हिन्दू धर्म की और धर्मों से ज्यादा कीमत बताकर भी गांधीजी कहते हैं कि ऐसा एक भी धर्म नहीं है जो संपूर्णता का दावा कर सके। वे धर्मों की तुलना करना अनावश्यक समझते थे। उनकी मान्यता है कि अधर्म तो मनुष्य जैसी अपूर्ण सत्ता द्वारा मिलता है, अकेला ईश्वर ही संपूर्ण है। इसलिए हमें अपने धर्म को प्रौढ़ मान कर दूसरे धर्मों को समझने की कोशिश करनी चाहिए। इसलिए गांधीजी हिन्दू होने के कारण अपने लिए हिन्दू धर्म को सर्वश्रेष्ठ मानते हुए भी यह नहीं कह सकते कि हिन्दू धर्म सबके लिए सर्वश्रेष्ठ है और इस बात की तो स्वप्न में भी आशा नहीं रखते कि सारी दुनिया हिन्दू धर्म को अपनाये। इसी तरह गांधीजी ईसाइयों और मुसलमानों से यह अपेक्षा रखते हैं कि वे इस्लाम और ईसाई धर्म को समूचे विश्व का धर्म बनाने का सपना और उस दिशा में किए जा रहे अपने प्रयत्नों को छोड़कर, स्वधर्म का पालन करते हुए अन्य धर्मावलंबियों की मदद करें।

निश्चित ही गांधीजी तब मिशनरियों की ओर से किए जा रहे धर्म परिवर्तन की कोशिश को सही नहीं ठहराते। वे स्वेच्छा से किसी भी मतावलंबी के अपनी आस्था बदलने को भी गलत नहीं कहते। आज देखा जाय तो वसीम रिजवी के हिन्दुत्व अपनाने के पीछे भी किसी संगठन का दबाव नहीं है। वे बहुत पढ़े–लिखे हैं। उन्होंने अपनी इच्छा से ही ऐसा किया है। अपनी पुस्तक पर शोरशराबा होने पर भी उन्होंने कहा था, "असदुद्दीन ओवैसी (एआईएमआईएम प्रमुख) ही हमारे खिलाफ एफआईआर करवा रहा है तो भाई एफआईआर करवाने से क्या मतलब हुआ ? हमने तुम्हारी किताबों के हवाले से किताब लिखा तो उन किताबों के हवाले से जवाब दे दो। अपने में इंसानियत पैदा कर लो, तुम इंसानियत का मजहब अख्तियार कर लो, हम अपनी किताब को वापस ले लेंगे।"

पता नहीं, यह किताब लिखने और उसे वापस लेने की बहस भी इस मामले में कहां तक चलेगी। फारसी के प्रसिद्ध विद्वान हाफिज शिराजी जैसे लोग तो बिरले ही होते हैं, जो सर्वधर्म समभाव पर जोर देते हैं। वे कहते हैं कि खुदा से मिलने की ख्वाहिश है तो सभी से मुहब्बत करो। वसीम रिजवी इस दिशा में कहां तक जाएंगे, अभी से कहा नहीं जा सकता। फिलहाल, उनके कदम में राजनीति देखी जायेगी। ऐसा देखना और कहा जाय तो करना भी गलत नहीं है, बशर्ते गांधीजी का ध्यान रखें। बापू ने तो बार–बार और साफ तौर पर कहा था कि उनकी राजनीति भी धर्म का ही हिस्सा है। उनके शब्दों में, "मेरे बहुत से राजनीतिक मित्र मेरी आशा इसलिए छोड़ बैठे हैं कि उनका कहना है कि मेरी राजनीति भी मेरे धर्म से ही उद्भूत है और उनका यह कहना सही है। मेरी राजनीति तथा अन्य तमाम प्रवृत्तियों का स्रोत मेरा धर्म ही है। मैं तो इससे भी आगे बढ़कर यह कहूंगा कि धर्मपरायण व्यक्ति की प्रत्येक प्रवृत्ति का स्रोत ही धर्म होना चाहिए।" (गांधी वांग्मय/57–214)।

राजनीति में गांधी बहुतों के आदर्श हो सकते हैं। यहां मात्र धर्म और राजनीति के मामले में उनके विचार वसीम रिजवी के हिन्दुत्व अपनाने के संदर्भ में लिया गया है। उम्मीद है कि गांधीजी के कट्टर हिन्दू होते हुए राजनीति को भी उसी का अंग मानने को ध्यान में रखा जायेगा। इस पर भी विचार करना चाहिए कि आखिर गांधीजी हिन्दू धर्म को दूसरे मतों से श्रेष्ठ क्यों मानते हैं।

मोदी पूर्वांचल को समर्पित करेंगे चिकित्सा का सबसे बड़ा मंदिर

–डॉ. महेंद्र कुमार सिंह–

पूर्वांचल के लोगों की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की सबसे बड़ी उम्मीद को पूरा करने वाला मंदिर बन कर तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 07 दिसम्बर को गोरखपुर एम्स, नागरिकों को समर्पित करने वाले हैं। पूर्वांचल ही नहीं, बिहार एवं पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के लोगों के लिए भी यह चिकित्सा संस्थान वरदान सिद्ध होने वाला है, जिन्हें दिल्ली एम्स के फुटपाथों पर सर्द रातों, तपती गर्मी और तूफानी बारिश में भीग कर अपने नंबर का इंतजार करने को मजबूर होना पड़ता रहा है।

दशकों के राजनीतिक परिदृश्य को अगर देखें तो सिर्फ दो राजनेता ने उत्तर प्रदेश के पूर्व में स्थित इस पिछड़े क्षेत्र के लोगों की कराह सुनी और समझी है। 1998 से लगातार गोरखपुर से सांसद रहे गोरखपीठ के महंत योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में एम्स स्थापित करने की मांग अनेक बार संसद में उठाई मगर उनकी आवाज 2014 में सुनी गई, जब देश की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभाली। गोरखपुर में एम्स मुख्यमंत्री योगी की वर्षों की तपस्या का प्रतिफल है। प्रधानमंत्री मोदी गोरखपुर तथा आसपास के लोगों, खासकर किसानों को एक और सौगात देंगे। मोदी करीब 8603 करोड़ की लागत से 600 एकड़ भूमि में स्थापित नई फर्टिलाइजर फैक्टरी का भी शुभारंभ करेंगे।

गोरखपुर एम्स शुरू होने से उच्च चिकित्सा सेवाओं के लिए पूरे क्षेत्र के लोगों को दिल्ली, मुम्बई में भटकना नहीं पड़ेगा और न ही महंगे निजी कॉरपोरेट हॉस्पिटल में जाने को मजबूर होना पड़ेगा। कई सर्वे और स्टडीज साबित करती हैं कि स्वास्थ्य पर होने वाले खर्चों की वजह से एक बहुत बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे चली जाती है। पिछड़ा पूर्वांचल क्षेत्र भी इसी चक्रव्यूह में फंसा हुआ था। अब एक नई उम्मीदों का आकाश पूर्वांचल वासियों के सामने है। चिकित्सा और शिक्षा को नई ऊंचाई प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मोदी ने 22 जुलाई 2016 को गोरखपुर एम्स का शिलान्यास किया था।

करीब 1012 करोड़ की लागत वाले तथा 112 एकड़ में विस्तृत इस चिकित्सा संस्थान में ओपीडी का उद्घाटन फरवरी 2019 को किया गया और इस समय 16 सुपर स्पेशलिटी विभागों की ओपीडी शुरू हो चुकी है। उद्घाटन के बाद 300 बेड का अस्पताल पूरी तरह से कार्य करना शुरू कर देगा। इसे 750 बेड तक विस्तारित करने की योजना है।

स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए तरसता पूर्वांचल दशकों से राजनीतिक उपेक्षा का शिकार रहा। करीब चार दशकों तक जापानी इंसेफ्लाइटिस यहां के हजारों बच्चों को हर वर्ष निगलता रहा। सरकारें बदलती रहीं मगर किसी ने सुध तक नहीं ली। नवजात शिशुओं को खोने की अपार पीड़ा की लड़ाई योगी ने सांसद के रूप में संसद से लेकर सड़क तक लड़ी पर तत्कालीन नीति निर्माताओं के कानों तक आवाज नहीं पहुँची। वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के प्रदेश का मुख्यमंत्री बनते ही परिदृश्य बदलने लगा। उन्होंने इंसेफ्लाइटिस के खिलाफ न सिर्फ जंग छेड़ी, बल्कि समन्वित प्रयासों से इस महामारी पर नियंत्रण कर लिया गया।

यह पूर्वांचल के लोगों के लिए बड़ा सुअवसर है कि प्रधानमंत्री मोदी सात दिसम्बर को गोरखपुर के बाबा राघवदास मेडिकल कॉलेज में स्थापित रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर की नौ लैब्स को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। ये लैब्स जापानी इंसेफ्लाइटिस के कारगर परीक्षण और शोध पर कार्य करेंगी। यह राज्य स्तरीय वायरस प्रशिक्षण लैब कोविड–19 की जांच और शोध के साथ अन्य विषाणु जनित बीमारियों पर शोध कार्य करेगा।

अब प्रदेश में दो एम्स संचालित हैं। एक गोरखपुर और दूसरा रायबरेली में। वर्ष 2007 में रायबरेली एम्स की स्वीकृति मिली लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव इसके संचालन में देरी हुई। मोदी–योगी की जोड़ी बनते ही प्रदेश में स्थापित दोनों एम्स विश्वस्तरीय मानक से सुसज्जित हुए और प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा के नए युग की शुरुआत हुई। इस जोड़ी को ही एम्स के संचालन का श्रेय जाता है। वहीं, जिस बीमारी की आहट मात्र से ही पूरा परिवार हिल जाता हो, उस कैंसर के इलाज के लिए वाराणसी में देश का दूसरा बड़ा कैंसर हॉस्पिटल 'महामना कैंसर संस्थान' भी मरीजों के इलाज के लिए खोल दिया गया है।

2017 में प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद से स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष ध्यान दिया गया। योगी सरकार आज 'एक जनपद एक मेडिकल कॉलेज' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। प्रदेश के 59 जनपदों में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज क्रियाशील है। 16 जनपदों में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है।

प्रदेश में पहले आयुष विश्वविद्यालय महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का गोरखपुर में शिलान्यास किया गया और इसका निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय का निर्माण प्रारंभ हो चुका है।

लोगों को चिकित्सा पर होने वाले खर्चों से राहत देने के लिए प्रदेश में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) में 6 करोड़ 47 लाख लोगों को बीमा कवर दिया गया है। इसके साथ ही 42.19 लाख लोगों का मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना में बीमा कवर सुनिश्चित किया गया है।

चिकित्सा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए स्वास्थ्य शिक्षा पर भी योगी सरकार विशेष ध्यान दे रही है। प्रदेश में एमबीबीएस की 938 सीटें बढ़ाई गई हैं तथा केंद्र सरकार से 900 सीटें बढ़ाए जाने की अनुमति शीघ्र मिलने की संभावना है। एमडी एवं एमएस में 127 सीटों की वृद्धि की गई है। चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष कर दी गई है। इसके साथ ही 1104 भारतीय जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

योगी सरकार के प्रयासों का ही प्रतिफल है कि आज नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की इंडिया रैंकिंग में एसजीपीजाई 5वें, बीएचयू 7वें, केजीएमयू, लखनऊ 9वें तथा एएमयू 15वें स्थान पर है।योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने कोरोना महामारी का बेहतर प्रबंधन किया, टीकाकरण में भी अग्रणी भूमिका में है। 16 करोड़ लोगों को वैक्सीन की एक डोज तथा 5 करोड़ से अधिक लोगों को कोविड टीके की दोनों डोज का सुरक्षा कवच प्रदान करने वाला देश का प्रथम राज्य बन गया।

प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री योगी के लोक कल्याण की प्रतिज्ञा का ही सुफल है कि आज उत्तर प्रदेश अपने लोगों को उनके नजदीक ही उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में सफलता हासिल कर रहा है। राजनीति, गोरखपीठ के संतों के लिए सिद्धि नहीं, बल्कि लोक–साधना का माध्यम है। उन्होंने राजनीति को लोक सेवा व कल्याण का माध्यम बनाया है। उत्तर प्रदेश के 24 करोड़ लोग इसे पूरी शिद्दत से महसूस भी कर रहे हैं।

(लेखक डीडीयू गोरखपुर विवि में सहायक प्राध्यापक हैं।)

दूसरी लहर के दौरान लूट मचाने वाले अस्पतालों की पहचान कर उनका ऑडिट कराना जरूरी

–दीपक कुमार त्यागी–

देश ने अभी कुछ माह पूर्व 15 अगस्त 2021 को 75वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से कोरोना गाइडलाइंस का पालन करते हुए मनाया था। लाल किले की प्राचीर से हर वर्ष विभिन्न प्रकार की घोषणाओं के बाद भी आजादी के 75 वर्ष बाद भी देश बहुत सारी ज्वलंत समस्याओं से रोजाना संघर्ष कर रहा है। चिंता की बात यह है कि बहुत सारे देशवासियों के लिए रोजी–रोटी, कपड़ा–मकान, शिक्षा–चिकित्सा हासिल करना आज भी बहुत बड़ी चुनौती बना हुआ है। सभी जानते हैं कि वर्ष 2020 से दुनिया की तरह हमारा देश भी भयावह कोरोना महामारी से जूझ रहा है, लेकिन अच्छी बात यह है कि अब देश की जनता कोरोना की दूसरी प्रचंड लहर के प्रकोप से काफी हद तक उबर गयी, आज धरातल पर हालात धीरे–धीरे सामान्य होने के कगार पर हैं। हालांकि विशेषज्ञ अभी भी लोगों की लापरवाही के चलते भविष्य में कोरोना की तीसरी लहर आने का अंदेशा व्यक्त कर रहे हैं। क्योंकि दूसरी भयावह लहर के लिए जिम्मेदार कोरोना के डेल्टा वैरिएंट के बाद दुनिया पर कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन का खतरा मंडरा रहा है, कोरोना विशेषज्ञों को ओमिक्रॉन के डेल्टा से तेज फैलने की आशंका है।

चिंता की बात यह है कि कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन भारत में भी पहुंच गया है। देशवासियों को उम्मीद है कि केंद्र व राज्य सरकारें कोरोना की तीसरी संभावित लहर से लड़ने के लिए धरातल पर पूर्ण रूप से तैयार होंगी क्योंकि देश में अप्रैल व मई के माह में आयी कोरोना की दूसरी बेहद प्रचंड लहर ने हमारे देश की कामचलाऊ चिकित्सा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी थी। धरातल पर बने भयावह हालात ने हर वर्ग के जनमानस के दिलोदिमाग को झकझोर कर रख दिया था। आजादी के 75वें वर्ष में अब भविष्य में उस तरह की स्थिति उत्पन्न होने से देश को बचाना है। हालांकि देश के स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति समझने के लिए उससे जुड़े कुछ आंकड़ों पर गौर करें तो चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति पहले से ही अच्छी नहीं है। हमारे देश में डॉक्टर, नर्स, प्रशिक्षित सहयोगी स्टाफ, अस्पताल आदि की तय मापदंड के अनुसार बहुत ज्यादा कमी है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल के मुताबिक भारत अपने स्वास्थ्य क्षेत्र पर जीडीपी का महज 1.02 फीसदी खर्च करता है, जोकि श्रीलंका, भूटान और नेपाल जैसे हमारे गरीब पड़ोसी देशों की तुलना में भी कम है।

हालांकि केंद्र की मोदी सरकार भविष्य में चिकित्सा बजट को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी कुछ दिन पहले अपने वाराणसी दौरे के दौरान पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन को लॉन्च किया था। उस समय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने जानकारी दी थी कि इस मिशन के अन्तर्गत देश में हर स्तर पर मजबूत हेल्थ इंफ्रा बनाने की योजना है, जिसके लिए आगामी 5 वर्ष में 64,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें सरकार का मुख्य लक्ष्य ब्लॉक, जिला, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर टेस्टिंग सुविधा के लिए लेबोरेटरी तैयार करना है, इस योजना में अगले 5 वर्षों में एक जनपद में औसतन 90–100 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, भविष्य में चिकित्सा क्षेत्र के लिए यह मोदी सरकार की एक बहुत अच्छी पहल साबित हो सकती है। हालांकि यह तो आने वाला समय ही तय करेगा कि वास्तव में यह प्रयास धरातल पर अमलीजामा लिये नजर आयेंगे या सिर्फ यह चुनावी जुमला ही साबित होंगे। लेकिन फिलहाल हम ग्लोबल बर्डेन ऑफ डिजीज स्टडी 2021 के अनुसार गुणवत्ता और उपलब्धता के मामले में देश की स्थिति देखें तो भारत की 180 देशों में 145वीं रैंकिंग है, जो किसी भी देश की जनता को स्वस्थ रखने के दृष्टिकोण से बेहद चिंताजनक स्थिति है। जबकि भारत का संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को अनुच्छेद 21 के तहत जीने का अधिकार देता है और जीवन जीने के लिए किसी भी व्यक्ति का स्वस्थ होना बेहद आवश्यक है। देश में स्वास्थ्य का अधिकार प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन फिर भी आजादी के 75वें वर्ष में भी देश में चिकित्सा व्यवस्था बेहाल है। जिस तरह से लोगों को विभिन्न कारणों से कोरोना की दूसरी लहर के दौरान इलाज के लिए चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न प्रकार की बेहद जटिल समस्याओं का सामना करना पड़ा था, उसने देश के बहुत सारे छोटे व बड़े पांच सितारा अस्पतालों की अच्छी व बुरी हर तरह की सच्चाई को देशवासियों के सामने लाने का कार्य किया था। कोरोना के बेहद भयावह दौर ने एक तरफ तो ईमानदारी से कार्य करने वाले देश के चंद अस्पताल प्रबंधन की पहचान करवाने का कार्य किया था, वहीं दूसरी तरफ देश के उन बहुत सारे अस्पतालों के प्रबंधन के भयावह चेहरे को भी सभी देशवासियों के सामने लाने का कार्य किया था, जिन्होंने आपदाकाल में भी चिकित्सा व्यवस्था को मानव सेवा की जगह स्वयंसेवा मानकर केवल नोट छापने की मशीन मान लिया था।

वैसे भी कोरोना की दूसरी लहर के समय उत्पन्न भयावह स्थिति के चलते आज बहुत सारे लोगों की मांग है कि कोरोना काल में इलाज करने वाले सभी अस्पतालों की विस्तार से जांच करा कर उनके चिकित्सा बिलों की स्क्रूटनी व ऑडिट किया जाये। क्योंकि सरकार के द्वारा उस आपदाकाल में लूट मचाने वाले अस्पतालों के प्रबंधन की पहचान करके इनको सजा देना अभी बाकी है, जिसको अंजाम देने के लिए कोरोना काल का सभी अस्पतालों का विस्तृश्त ऑडिट काफी है। वैसे भी बड़े पैमाने पर लोगों का मानना है कि महामारी में कुछ लोगों के अत्यधिक धन कमाने के लोभ–लालच ने बहुत सारे अस्पतालों को संगठित अपराध करने का सबसे बड़ा व सुरक्षित अड्डा बना दिया था। अंधाधुंध पैसे कमाने के लालच में बहुत सारे अस्पतालों के प्रबंधन मानवता के दुश्मन बन गये थे। अब इन अपराधियों को पकड़ने के लिए सभी अस्पतालों की जल्द से जल्द जांच बेहद आवश्यक है। कोरोना की भयावह दूसरी लहर में जिस वक्त कोरोना के संक्रमण से संक्रमित लोगों के परिजन निजी व सरकारी अस्पतालों में मरीज को भर्ती करवाने के लिए परेशान होकर इधर–उधर धक्के खा रहे थे, उस वक्त किसी को यह होशोहवास नहीं था कि बहुत सारे अस्पतालों का प्रबंधन इलाज की आड़ में उनके साथ क्या कर रहा है। सभी की सबसे बड़ी चिंता यह थी कि किसी भी तरह उनके मरीज को अस्पताल भर्ती कर लें और उनके मरीज की हर–हाल में जान बच जाये, जिसका बहुत सारे अस्पतालों ने नाजायज फायदा उठाया। इसलिए भविष्य में चिकित्सा व्यवस्था में सुधार करने के लिए अब उस समय की जांच होनी बेहद आवश्यक है। उस समय देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाली मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बहुत सारे अस्पतालों में तो मरीज के उपचार के नाम पर उनके परिजनों से लूट की जा रही थी, उपचार के नाम पर जमकर परिजनों से धन उगाही के केंद्र चलाए जा रहे थे, जिसकी अब जांच होनी आवश्यक है। कोरोना मरीजों से वसूली गई ज्यादा रकम वापस करने की मांग वाली एक जनहित याचिका को भी सुप्रीम कोर्ट ने विचारार्थ स्वीकार कर लिया है, याचिका स्वीकार करते हुए माननीय कोर्ट ने कहा कि याचिका में उठाया गया मुद्दा बड़े स्तर पर समाज, कोरोना मरीजों और उनके परिजनों से जुड़ा है जिनसे इलाज के समय ज्यादा पैसे लिए गए। मुद्दा महत्वपूर्ण है और इस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। देहरादून के रहने वाले अभिनव थापर की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और बीवी नागरत्ना की पीठ ने गत आठ अक्टूबर को नोटिस जारी करते हुए केंद्र सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। हालांकि यह भी कटु सत्य है कि महामारी के इस बेहद भयावह काल में जहां एक तरफ तो हमारे देश के अधिकांश क्षेत्रों के सभी कोरोना वारियर्स ने अपनी ड्यूटी को पूर्ण ईमानदारी के साथ सही ढंग से अंजाम देकर के दिन–रात मेहनत करके लोगों की अनमोल जान बचाने के लिए विभिन्न प्रकार से योगदान देने का कार्य किया था, वहीं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अधिकांश लोगों ने तो अपनी जान की परवाह ना करके बेहद कठिन विपरीत परिस्थितियों में भी लगातार मरीजों की जान बचाने के लिए दिन–रात प्रयास करने का कार्य किया था।

कोरोना के दौर की सच्चाई यह भी रही है कि बेहद भयावह झकझोर देने वाले इस काल में बहुत सारे अस्पतालों के प्रबंधकों ने तो इंसान व इंसानियत की रक्षा करने के लिए मरीजों के लिए अपने अस्पतालों के दरवाजे हर तरह से चौबीसों घंटे खुले रखने का बेहद सराहनीय कार्य किया था, जांच करके सरकार को इन सभी लोगों का सम्मान करते हुए इनाम देना चाहिए। वहीं देश के अलग–अलग क्षेत्रों के कुछ अस्पतालों ने इस मौके को ष्आपदा में कमाई का बेहतरीन अवसर मानकरष् लोगों की जेबों पर विभिन्न हथकंडों से जमकर डाका डाल कर, आपदाकाल में भी इंसानियत को शर्मसार करने वाला कार्य किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बहुत सारे अस्पतालों में मरीजों को भर्ती करने के नाम पर उनके परिजनों से एडवांस जमा करवा कर जमकर उगाही की गयी थी, मरीज के परेशान परिजनों से इलाज के नाम पर मोटी रकम अस्पताल प्रबंधन के द्वारा पहले ही जमा करवा ली गयी थी, जिसको किसी भी परिस्थिति में जायज नहीं ठहराया जा सकता है। उस समय बहुत सारे अस्पतालों ने तो बिना समुचित इलाज, दवाई व ऑक्सीजन के ही मरीजों के परिजनों से इलाज के नाम पर जमकर लूट करते हुए लाखों रुपये का भारी–भरकम बिल वसूलने का कार्य किया था। उनका यह कृत्य इंसान की मजबूरी का फायदा उठाकर इंसानियत को बेहद शर्मसार करने वाला एक दंडनीय जघन्य अपराध है, जिसकी सजा देने के लिए अस्पतालों का कोरोना काल का ऑडिट होना बेहद आवश्यक है। वैसे भी कोरोना की दूसरी लहर में उत्पन्न अव्यवस्था की सत्यता जानने के लिए व देश की चिकित्सा व्यवस्था में मौजूद खामियों को पहचान कर, भविष्य में उन्हें दूर करके सुधार करने के लिए देश के सभी निजी व सरकारी अस्पतालों का सरकार की निगरानी में निष्पक्ष एजेंसी के द्वारा जल्द से जल्द हर पहलू का ऑडिट होना बेहद जरूरी है। इस ऑडिट में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हुए प्रत्येक पहलू की बारीकी से जांच करके, रिपोर्ट के अनुसार भविष्य में चिकित्सा व्यवस्था में सुधार करने के लिए ठोस पहल करनी चाहिए। दूसरी लहर के दौरान कोरोना या अन्य बीमारियों का इलाज करने वाले सभी निजी व सरकारी अस्पतालों की जांच करके यह पता लगाना चाहिए कि आखिर उस वक्त दवाई, इंजेक्शन, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर आदि की देश में भारी कमी क्यों हुई थी। जांच के द्वारा यह पता लगाया जाना चाहिए कि उस वक्त इलाज की आपाधापी में वास्तव में नकली दवाई व इंजेक्शनों का कितनी मात्रा में जाने–अनजाने में मरीजों पर उपयोग हो गया, इन नकली दवाओं के बाजार व लोगों के पास आने का मुख्य स्रोत क्या था। दूसरी लहर के दौरान लाईफ सेविंग ड्रग्स की देश में मारामारी क्यों हुई? दवाओं व इंजेक्शनों की कालाबाजारी करने वाले लोगों के पीछे क्या दवा निर्माता कंपनी, अस्पतालों, संगठित गिरोह या किसी अन्य व्यक्ति की तो कोई भूमिका तो नहीं थी? देशहित व जनहित में इसकी जांच समय रहते आवश्यक है और दोषियों को दंडित करना आवश्यक है। अस्पतालों में डॉक्टरों व अन्य सभी सहयोगी स्टाफ की दूसरी लहर के समय उपलब्धता की क्या स्थिति थी, इस तरह के बहुत सारे बिंदुओं पर जांच जरूरी है। सरकार के द्वारा सभी अस्पतालों का ऑडिट करके और इस ऑडिट के बाद आये परिणाम के आधार पर आपदा के दौर में व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने वाले अस्पतालों को विभिन्न प्रकार से मदद देकर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वहीं महामारी के दौरान कोरोना के इलाज के नाम पर लूटपाट मचाने वालें अस्पतालों की पहचान करके दोषियों को दंडित करके सभी को संदेश भी देना चाहिए, जिससे कि भविष्य में मानवता को शर्मसार करने वाले इस तरह के कृत्यों पर लगाम लगायी जा सकें। वैसे भी अस्पतालों के ऑडिट की रिपोर्ट के आधार पर सरकार को भविष्य के लिए देश के चिकित्सा क्षेत्र को बेहतर करने के लिए तैयारी करने में सहयोग मिल सकता है, देश की चिकित्सा व्यवस्था में व्याप्त खामियों को दूर करने के लिए एक उचित ठोस आधार मिल सकता है।

ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर धरातल पर काम करके भविष्य में चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर किया जा सकता है। इससे सबसे बड़ी उम्मीद यह है कि देशवासियों को भविष्य में ष्स्वास्थ्य का अधिकारष् वास्तव में जरूरत के समय धरातल पर मिल सकता है। कोरोना काल के ऑडिट के आधार पर कार्य करके आज के समय के बीमार चिकित्सा क्षेत्र के मर्ज का स्थाई निदान करके भविष्य में इस बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र को बीमारी से मुक्त करके स्वस्थ किया जा सकता है। वैसे भी आज समय की जरूरत है कि सरकार को आजादी के 75वें वर्ष में देश की जनता को सस्ता सुलभ व उच्च गुणवत्ता पूर्ण इलाज देने के लंबे समय से लंबित वायदे को पूर्ण करने के लिए जल्द से जल्द धरातल पर ठोस पहल करते हुए, सभी देशवासियों की सेहत ठीक रखने के लिए कार्य करना चाहिए।

(स्वतंत्र पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक)

रजनीश सक्सेना ने बरेली को समाजसेवा के क्षेत्र में राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय ख्याति दिलाई, ये बरेली की शान हैं - डॉ. अरुण कुमार

अवध की आवाज ब्यूरो

बरेली। ऑल इंडिया रियल फॉर कल्वरल एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी, माँ गंगा बचाओ वेलफेयर सोसाइटी, महिला कल्याण समिति परिवार द्वारा पिछले 31 वर्षों से

समाजसेवी डॉ रजनीश सक्सेना का जन्मदिन आज वात्सल्य सेवा संस्थान में धूमधाम से मनाया गया जहां शहर के तमाम गणमान्य व सभ्रांत लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुभारंभ वात्सल्य सेवा संस्थान के दिव्यांग बच्चों के द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत से हुई। अथितियों का स्वागत संस्थान की और से चेतना सक्सेना,संतोष उपाध्याय, सचिन भारतीय,रचना सक्सेना, भावना गौतम, प्रतिभा जौहरी ने किया। डॉ रजनीश सक्सेनाजी ने सबको धन्यवाद देते हुए कहा कि पिछले जन्म में मैंने जरूर कुछ पुण्य किये रहे होंगे तभी मेरे हर सुख दुःख में आप सबकी सहभागिता रहती है। पिछले कई वर्षों से मैं इन दिव्यांग बच्चों के साथ जन्मदिन मनाता आ रहा हूँ क्योंकि इन्हें हमारे प्रेम हमारे सहयोग की आवश्यकता रहती है। उसके बाद सबको श्री गँगा, गौ, बेटी, पर्यावरण बचाओ, देश बचाओ के साथ रक्तदान महादान की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शहर विधायक डॉ. अरुण कुमार, कार्यक्रम अध्यक्ष सी एल शर्मा, विशिष्ठ अतिथि डॉ. विनोद पागरानी, वरिष्ठ भाजपा नेता गुलशन आनंद, योगेश पटेल, डॉ. महेन्द्र सिंह बासु, अरविन्द अग्रवाल, पंडित सुशील पाठक, डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, सर्वेश कुमार अग्रवाल, आचार्य हेमन्त शाण्डिल्य, सी. ए. विनीश अरोरा, डॉ. सरताज हुसैन, मुम्बई टी वी कलाकार संतोष उपाध्याय, चेतना सक्सेना, रचना सक्सेना, भावना गौतम, प्रतिभा जौहरी, उपमेंद्र सक्सेना ऐड., अमर सिंह परमार, शशि कांत गौतम, विशाल श्रीवास्तव, सचिन श्याम भारतीय, रितेश साहनी, साहिल सक्सेना, पीहू जौहरी, धीरज कुमार, पवन अरोरा, राकेश कुमार सक्सेना, गोविंद सैनी, अभय सक्सेना, विकास चित्रांश, राजेंद्र गुलाटी, कनिष्क शर्मा, मनीष रस्तौगी, विशाल मेहरोत्रा,एस डी शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे। अन्त में आभार वात्सल्य सेवा संस्थान की संस्थापक चेतना सक्सेना ने व्यक्त किया।

मतदाता पुर्निरीक्षण कार्य में पर्यवेक्षक की मनमानी हुयी उजागर, सपा नेत्री ने सपा नेत्री से किया शिकायत

मौके पर पहुंची सपा नेत्री प्रतिभा सिंह

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। विकास खण्ड मुज़ेहना के अंतर्गत लोनावा गाँव में मतदाता पुर्निरीक्षक का कार्य में गड़बड़ी करने की शिकायत ग्रामीणों द्वारा जन सम्पर्क के लिए निकली सपा नेत्री प्रतिभा सिंह को दी जिस पर सपा नेत्री ने मौके पर जा कर बी.एल.ओ से

पूछताछ की जिसमे पता चला की पर्यवेक्षक दिनेश प्रताप तिवारी द्वारा ज़िंदा लोगो को मृत साबित करने का दबाव बना रहे थे, प्रतिभा सिंह ने इस सन्दर्भ में बताया की करीब एक दर्जन लोग मेरे सामने जीवित खड़े थे जिन्हें फ़ार्म में मृत साबित किये जाने के लिए बी.एल.ओ पर पर्यवेक्षक द्वारा दबाव बनाया जा रहा ऐसे करीब आठ सौ लोगों के फ़ार्म भी पाये गए हैं जो तहसील से ही मृत दर्शा कर बीएलओ से साइन कराने की कोशिश की जा रही थी, गड़बड़ी पकड़े जाने पर सपा नेत्री ने कहा है की पर्यवेक्षक के विरुद्ध अधिकारियों से शिकायत की जायेगी। साथ उन्होंने यह भी कहा है की एक साख वर्ग के लोगो के साथ ऐसा किये जाने का प्रकरण सामने आया है जो जीवित है उन्हें मृत साबित करने की यह एक बड़ी साजिश की जा रही है। इसका विरोध उच्च स्तर पर किये जाने की बात सपा नेत्री प्रतिभा सिंह के कहि है।

शादी समारोह में जश्न के दौरान फायरिंग में महिला घायल,मचा हडकम्प

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। नगर कोतवाली के जानकीनगर में वैवाहिक समारोह में जश्न मना रहे लोगों ने जयमाल के दौरान हर्ष फायरिंग कर दी जिससे एक महिला के सिर में गोली लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गयी, फायरिंग के दौरान महिला के सिर में गोली लगी है। गोली लगने से शादी समारोह में अफरा–तफरी मच गई, आनन फानन में परिजनों ने घायल महिला को जिला अस्पताल लाया गया, जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने महिला को रेफर कर दिया है। जिसे एक स्थानीय नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है जहां इलाज जारी है।बताया गया है कि जानकी नगर मोहल्ले में एक मैरेज हाल में सादी समारोह सम्पन्न हो रहा था,जयमाल के दौरान लड़के पक्ष के लोगो ने जश्न मनाते हुए हर्ष फायरिंग करने लगे जिससे वधू पक्ष की ज्ञानती 50 वर्ष पत्नी अवधेश सिंह के सिर में गोली

लगने से बरातियो में भगदड़ मच गई आनन फानन में महिला को अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। नगर कोतवाल ने बताया कि घटना की जानकारी होने पर अस्पताल पहुच कर महिला से बयान लेने का प्रयास किया गया लेकिन महिला की हालत गम्भीर थी।मामले में अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। हर्ष फायरिंग करने वाले कि शिनाख्त की जा रही जिसे शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पिहानी के माँ इच्छापूर्णी रामजानकी मंदिर में हुआ रामजानकी विवाहोत्सव का शुभारंभ

पुष्प वाटिका लीला का मंचन करते हुए कलाकार।

पिहानी/हरदोई। पिहानी नगर में चल रहे रामजानकी विवाहोत्सव में रामकथा के प्रथम दिवस पर कथा व्यास ने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा, कि प्रभु राम के जन्म और विवाह का प्रसंग जो भी मनुष्य सुनता है अथवा सुनाता है दोनों को मनवांछित फलों की प्राप्ति होती है, कलियुग में केवल रामनाम ही मनुष्य के कल्याण का साधन है, यह विचार कथा व्यास मुनीन्द्र पाण्डेय ने रामकथा के अन्तर्गत व्यक्त किये। माँ इच्छापूर्णी रामजानकी मंदिर में रविवार से वार्षिक समारोह का शुभारम्भ हो गया। मुख्य यजमान वैष्णव हरिचरण लाल ने सपत्नीक मंडप पूजन व देव आह्वाहन कर आरती पूजन किया। श्रोताओं को संबोधित करते हुए मानस मर्मज्ञ ने कहा, कि सांसारिक जीवन कैसे जीना है, यह रामायण हमें सिखलाती हैं रामनाम सभी दुरूखों का हरण करता है, इसलिए सभी को मन वचन कर्म से भगवान को नित्यप्रति भजना चाहिए, श्वास का कोई ठिकाना नहीं है जो अंत समय भजन करने के लिए आपको मौका देगी। कथा प्रसंग के अंतर्गत आचार्य ने सती परीक्षा प्रसंग का मार्मिक वर्णन करते हुए कहा, कि जब सती जी ने भगवान शिव की बात नहीं मानी और राम की परीक्षा ली, तब भगवान शिव ने सीता माता का रुप धारण किये जाने के कारण सती का अन्तर्मन से त्याग कर दिया और सती को सन्मुख बैठाया। विधिविधान के अनुसार सती जी को फिर भगवान शिव ने बार बार समझाया, कि अपने पिता के यज्ञ में बिना आमंत्रण के न सम्मिलित हों, फिर भी सती ने पति आज्ञा की अवहेलना कर अपने मायके पहुंचीं और पिता राजा दक्ष के यज्ञ में पति का अपमान होने के कारण देह का त्याग कर दिया, विधि का विधान अटल है लेकिन प्रभु का स्मरण हमें परिस्थितियों को सहन करने में सक्षम बनाता है। कार्यक्रम के अंतर्गत पुष्प वाटिका लीला का मनमोहक मंचन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रुप से ओम रस्तोगी, नारायण, रामचन्द्र वैश्य, कमलेश त्रिवेदी, शत्रुघन सिंह समेत अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

हमराह संस्थान के तत्वधान में धूमधाम से मनाया गया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली/सीतापुर। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर मंगलवार को हमराह एक्स कैडेट एन सी .सी. सेवा संस्थान के तत्वधान में देश के लिए सर्वस्व न्यौछावार करने का संकल्प लिया। श्री वामन माध्यमिक विद्यालय बौनाभारी सिधौली सीतापुर में सशस्त्र सेना झंडा दिवस धूमधाम से मनाया गया। संस्थान के सचिव ज्ञानेश पाल धनगर ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हम देश की सेवा करने वाले सैनिक को इस बात की गारंटी देते हैं कि जनता हर हाल के लिए अपना योगदान देते हैं और सेना के झंडे को अपने सीने पर लगाकर फक्र महसूस करते है। पाल ने बताया कि देश के 32 राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड व 392 जिला सैनिक कल्याण बोर्ड सशस्त्र सेना झंडा दिवस के माध्यम से देश की जनता से धन संग्रह का कार्य करते हैं। इसमें कालेजों की मुख्य भूमिका होती है। श्री राम मौर्य ने बच्चों को बताया कि यह दिवस भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों के कल्याण के लिए भारत की जनता से धन का संग्रह के प्रति समर्पित एक दिन है। यह दिवस सर्वप्रथम 7

में उनके परिवार के साथ खड़ी रहेगी। बताया कि पूरे देश में सात दिसंबर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जाता है। इसके माध्यम से देश की जनता से धन संग्रह कर कोष में एकत्र किया जाता है। कोष का उपयोग शहीद हुए सैनिकों, युद्ध के दौरान विकलांग हुए सैनिक व सेवानिवृत्त सैनिकों के परिवार के कल्याण के लिए किया जाता है। आज का दिन देश के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले सैनिकों के परिवार के लिए कुछ करने का दिन होता है। हम सभी लोग कोष दिसंबर 1949 को मनाया गया था। उस दिन से आज तक यह दिन बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। वहीं कुछ छात्रों ने चार्ट पर झंडे बनाएं तो कुछ छात्रों ने शहीद सैनिकों की याद में वृक्षारोपण किया। इस मौके पर सहायक अध्यापक राजा राम ,प्रेमलता ,सा0अ0 आशीष मौर्य, मनोज ,सुनिल सोनम,अंकिता यादव, पुष्पा ,स्वीटी, बबली रावत, मोहिनी यादव श्रीधर,अंशुमान सिंह ,महक,चांदनी,अभिषे क राजपुत ,सौरभ ,सोनू ,अनुप आदि छात्र, छात्रा,अध्यापक उपस्थित रहे।

सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में भाजपा पार्टी की संगठनात्मक बैठक हुई संपन्न

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। मेहनौन विधानसभा क्षेत्र में मंडल प्रवास के तहत भाजपा पदाधिकारियों ने इटियाथोक ब्लॉक परिसर स्थित सभागार में रविवार को बैठक की। बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा, विधायक विनय कुमार द्विवेदी व जिला महामंत्री आशीष त्रिपाठी मौजूद रहे। संचालन ओपी मिश्र ने किया।मंडल प्रवास के तहत इटियाथोक, बहलोलपुर, खरगूपुर, मुजेहना व मेहनौन के सैकड़ों कार्यकर्ता व पार्टी पदाधिकारियों नें ब्लॉक मुख्यालय के सभागार में बैठक की। सहकारिता मंत्री और जिला महामंत्री ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना की। पंडित दीनदयाल और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर संयुक्त रुप से माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। मुख्य अतिथि ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा चुनाव वातावरण और प्रबंधन द्वारा होता है। नए मतदाताओं से लगातार संवाद बनाने की बात कहते हुए प्रधानमंत्री

और मुख्यमंत्री के द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं पर प्रकाश डाला। विधायक श्री द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कराए गए विकास कार्यों को गिनाते हुए कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाने की अपील की। कहा चुनाव का बिगुल बज चुका है सभी को तैयारियों में जुट जाना चाहिए। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष सत्यव्रत ओझा, आत्मा प्रसाद वर्मा, सोहनलाल भारती, अजय राठौर, पप्पू सिंह, हरिशंकर तिवारी, राकेश चतुर्वेदी, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थाना मोतीगंज पुलिस द्वारा 01 नफर वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार,,

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। गोंडा जनपद पुलिस अधीक्षक गोंडा के आदेशानुसार जनपद में चल रहे वारंटी अभियान के दृष्टिगत आज दिनांक 7/12/2021 को प्रभारी निरीक्षक श्री अरविंद कुमार के कुशल निर्देशन में थाना क्षेत्र में वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत थाना मोतीगंज पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय रवाना कर दिया गया । अभियुक्त इंसान अली पुत्र पीर मोहम्मद निवासी ग्राम दुर्जनपुर माफी थाना मोतीगंज जनपद गोंडा संबंधित एनसीआर 37/16 धारा 323,/504 भारतीय दंड विधान के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तार करता टीम में उप निरीक्षक उमेश कुमार वर्मा, हेड कांस्टेबल गोपीनाथ, यादव, कांस्टेबल संजय यादव कांस्टेबल परमानंद , कांस्टेबल यशवंत यादव आदि लोगों ने एक नफर अभियुक्त को गिरफ्तार करके न्यायालय किया रवाना।

दहेज के लिये विवाहिता का उत्पीड़न कर घर से निकाला

पुलिस पर आरोप नहीं कर रही कार्रवाई, एसपी से लगाई गुहार

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। जिले के मनकापुर में दहेज प्रताड़ना के बाद घर से निकालने की स्थानीय पुलिस से शिकायत के बावजूद पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुये पुलिस अधीक्षक से न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। बताते चलें कि, एक तरफ सरकार महिलाओं के न्याय और सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में मिशन शक्ति अभियान चला रही है तो वहीं दूसरी उसकी पुलिस उनके इस प्रयास की धज्जियां उड़ाने पर तुली है। मनकापुर कोतवाली क्षेत्र में स्थित पीलखाने के पास रहने वाली महिला सीमा सोनी पत्नी विजय कुमार सोनी ने पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र को अपने दिये हुये तहरीर में बताया कि, तीन वर्ष पूर्व उनकी छोटी बहन रेखा सोनी का विवाह बालेश्वरजंग के नगवा गाँव में उमेश चन्द्र सोनी के पुत्र रवि सोनी के साथ हुआ था।शादी के बाद से ही बदनीयत ससुर की नजर अपनी नई नवेली पुत्र वधु पर थी । ससुर रवि सोनी जब अपने इरादे में सफल नहीं हो सका तो उसने अतिरिक्त दहेज की मांग की आड़ में रेखा का शारीरिक व मानसिक

उत्पीड़न करने लगा।उसने अपने बेटे रवि को भी दूकान खोलने के लिए पांच लाख रूपये मांगने के लिये उकसाया जिसकी पूर्ति ना होने पर रेखा का उत्पीड़न कर उसे घर से भगा दिया।जब इसकी लिखित शिकायत स्थानीय पुलिस से करने के बावजूद पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। कई दिनों तक कोतवाली के चक्कर काटने के बावजूद जब न्याय नहीं मिला तो सीमा ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है। पीड़िता के मुताबिक ससुरालियों द्वारा उसे व उसके परिजनों के जानमाल की धमकी दी जा रही है।वहीं सीमा का आरोप है कि,स्थानीय रसूखदारों के प्रभाव में आकर पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही।

युवक का शव मिला,पुलिस ने बताया दुर्घटना, परिजनों का आरोप, हत्या कर फेंका सड़क पर

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा। जिले के धानेपुर थानाक्षेत्र के बाबागंज बाजार के समीप हीरो के शो रूम के सामने एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुँची पुलिस ने इसे दुर्घटना बताया व शव की पहचान माधवगंज के कन्हई पुत्र गोविंद के रूप में की। मिली जानकारी के मुताबिक आज सुबह आसपास के लोगों ने किसी युवक का शव हीरो एजेंसी के सामने पड़ा देखा तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी ।सूचना पर मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराई तथा पहचान होने के बाद इसकी सूचना परिजनों को दी गई।युवक की मौत की खबर सुनकर घर में कोहराम मच गया। मृतक युवक के पिता ने बताया कि,वह कल शाम घर से निकला था।उन्होंने आशंका जाई कि,किसी ने उसकी हत्या कर शव को सड़क के किनारे फेंक कर भाग गये वहीं थाना प्रभारी शेषमणि पाण्डेय ने कन्हई की मौत को दुर्घटना बताया।

कृषि स्नातक की छात्राओं द्वारा आयोजित की गई गोष्ठी

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में अध्ययनरत कृषि स्नातक चतुर्थ वर्ष की छात्राओं का ग्रामीण कृषि कार्यानुभव कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र अम्बरपुर, सीतापुर के मार्गदर्शन चल रहा है। जिसके अन्तर्गत केन्द्र द्वारा 8 छात्राओं सेजल पाण्डेय, अपूर्वा सिंह, अंकिता सिंह, अलशिफा मुस्तकीम, अर्शी खान, आराध्या श्रीवास्तव, अल्का सिंह एवं शैली गुप्ता को सिधौली विकास खण्ड का रामनगर गांव आवंटित किया गया था। छात्राओं ने केन्द्र के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत के आधारभूत आंकड़ों का संकलन किया, खेती – किसानी की परिस्थितियों, किसानों की समस्याओं का ग्रामवासियों के सहयोग से विधिवत अध्ययन किया एवं विशेष गतिविधि के तहत स्वच्छता जागरूकता अभियान भी चलाया तथा कार्यक्रम के अन्त में किसानों को तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने एवं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करने हेतु एक कृषि गोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

गोष्ठी की शुरुआत में सेजल पाण्डेय ने गोष्ठी में आए हुए आगन्तुकों एवं महिला एवं पुरूष किसान भाइयों

का स्वागत किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। तकनीकी सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ0 विनोद कुमार सिंह ने मृदा स्वास्थ्य में गिरावट के कारण एवं उनके सुधारात्मक उपाय, फसलों की लागत कम करने, गुणवत्तायुक्त उत्पादन में वृद्धि, उचित मूल्य प्राप्त करने के तकनीकी बिंदुओं पर चर्चा करते हुए एकीकृत कृषि प्रणाली एवं फसलों, फलों तथा सब्जियों में मूल्य संवर्धन पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। डॉ0 सिंह ने किसानों से अनुरोध किया कि यदि आप लोग खेती – किसानी के तकनीकी पहलुओं पर ध्यान देंगे और इसे अपनाएंगे तो अवश्य ही फसलों की लागत में कमी आएगी तथा सही समय पर गतिविधियों को अपनाने एवं देख–रेख करने पर गुणवत्ता युक्त उत्पादन में वृद्धि होगी जिसके फलस्वरूप बाजार में उसका उचित मूल्य प्राप्त होगा। यदि बाजार में हमें और अधिक मूल्य प्राप्त करना है तो फसल उत्पादों में मूल्य संवर्धन करना होगा जिससे आर्थिक एवं सामाजिक स्तर ऊंचा उठेगा। वैज्ञानिक अमरनाथ सिंह ने फसल अवशेष प्रबंधन एवं पोषक तत्व प्रबंधन पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। अंत में किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया तथा कार्यक्रम के अन्त में अलशिफा मुस्तकीम ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

राज्यसभा के निलंबित सदस्यों के समर्थन में विपक्षी नेताओं ने संसद परिसर में धरना दिया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी और कई अन्य विपक्षी सांसदों ने संसद के मानसून सत्र के दौरान उच्च सदन में ''अशोभनीय आचरण'' को लेकर शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए राज्यसभा के 12 सांसदों के खिलाफ की गई निलंबन की कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को संसद परिसर में धरना दिया। निलंबन के बाद से रोजाना प्रदर्शन कर रहे 12 निलंबित विपक्षी सांसदों ने आज भी संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना दिया। चौधरी, शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत और कई अन्य विपक्षी सांसद उनके समर्थन के लिए पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। निलंबित राज्यसभा सदस्य अपने खिलाफ की गई इस कार्रवाई के विरोध में संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जब तक निलंबन रद्द नहीं होगा, तब तक वे संसद की कार्यवाही के दौरान सुबह से शाम तक महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरने पर बैठेंगे। पिछले सप्ताह सोमवार, 29 नवंबर को आरंभ हुए संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के 12 सदस्यों को इस सत्र की शेष अवधि के लिए उच्च सदन से निलंबित कर दिया गया था। जिन सदस्यों को निलंबित किया गया है उनमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के इलामारम करीम, कांग्रेस की फूलों देवी नेताम, छाया वर्मा, रिपुन बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रताप सिंह, तश्णमूल कांग्रेस की डोला सेन और शांता छेत्री, शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम शामिल हैं।

देश में कोविड–19 के 558 दिन में सबसे कम दैनिक मामले

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। भारत में एक दिन में कोविड–19 के 6,822 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,46,48,383 हो गई। पिछले 558 दिन में सामने आए ये सबसे कम दैनिक मामले हैं। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 95,014 हो गई है, जो 554 दिन में सबसे कम है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 220 और मरीजों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,73,757 हो गई। देश में लगातार 11 दिन से कोविड–19 के दैनिक मामले 10 हजार से कम बने हैं और 163 दिन से 50 हजार से कम दैनिक मामले सामने आ रहे हैं। इसमें बताया गया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 95,014 हो गयी है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 0.27 प्रतिशत है। यह दर मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। पिछले 24 घंटों में कोविड–19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 3,402 की कमी दर्ज की गयी है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.36 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद से सर्वाधिक है।

विक्की-कैटरीना की शादी : राजस्थान के होटल में तैयारियां शबाब पर

जयपुर, (वेब वार्ता)। सिक्स सेंसेस फोर्ट बड़वाड़ा में सितारों की शादी की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। यह सेलिब्रिटी जोड़ी विक्की कौशल और कैटरीना कैफ की बहुचर्चित शादी की मेजबानी करेगा। सूत्रों के मुताबिक इस शादी में काम करने वाली इवेंट कंपनी ने शादी को शाही लुक देने के लिए विदेश से क्रिस्टल बॉल और झूमर मंगवाए हैं। इन्हें जल्द ही होटल में लगाया जाएगा। सिक्स सेंसेस होटल ने मेहमानों के आसानी से होटल तक पहुंचने के लिए लगातार अंतराल पर संकेतक वाहन भी सड़क पर खड़े किए हैं। हिंदू रीति–रिवाजों के अनुसार जोड़े के लिए फेरे (अग्नि के चारों ओर चक्कर लगाना) लेने के लिए रजवाड़ा शैली में एक ग्लास मंडप तैयार किया गया है और सजाया गया है। इसके अलावा, मंडप पर कांच की नक्काशी ऐसी है कि यह एक ऑप्टिकल भ्रम पैदा करता है। यह शादी समारोह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच होगा। हर मेहमान को सीक्रेट कोड दिए गए हैं, जिससे यह पता नहीं चल सकता कि कौन सा मेहमान किस कमरे में रह रहा है। आयोजन स्थल के अंदर मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पूरी शादी की शूटिंग के लिए इंटरनेशनल फोटोग्राफर्स को बुलाया गया है। समारोह 7 दिसंबर से 9 दिसंबर तक होगा, जिसमें बाउंसर और पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था की देखरेख करेंगे। शादी में सुरक्षा व्यवस्था को देखने के लिए जयपुर से 100 बाउंसर यहां पहुंचे हैं। विक्की कौशल और कैटरीना कैफ के आउटफिट मुंबई में डिजाइन किए गए हैं, जो वे अलग–अलग शादी समारोहों के दौरान पहनेंगे। जानकारी के अनुसार, कैटरीना कैफ और विक्की कौशल सोमवार को जयपुर से कार के जरिए रात 9 बजे तक चौथ का बरवाड़ा स्थित होटल सिक्स सेंस फोर्ट बरवाड़ा पहुंचने वाले हैं, जहां दोनों का होटल प्रबंधन द्वारा भव्य स्वागत किए जाने की उम्मीद है। विक्की और कैटरीना के साथ उनके परिवार वाले भी सोमवार को होटल पहुंचेंगे। हालांकि, परिवार के कुछ करीबी सदस्य और अन्य मेहमान अलग से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। कैटरीना की बहन नताशा और अन्य दोस्त सोमवार दोपहर जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे कार से वेडिंग वेन्यू के लिए निकले। कैटरीना और विक्की की शादी 9 दिसंबर को होनी है।

रास में 12 सदस्यों के निलंबन के मुद्दे पर गतिरोध जारी, बैठक दोपहर दो बजे तक स्थगित

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान ''अशोभनीय आचरण'' करने के कारण शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए 12 सदस्यों के निलंबन के मुद्दे पर राज्यसभा में गतिरोध मंगलवार को भी बरकरार रहा और उच्च सदन की बैठक शुरू होने के केवल पांच मिनट बाद ही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस वजह से उच्च सदन में आज भी शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाये। सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति एम वेंकैया नायडू ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद उन्होंने बताया कि उन्हें विभिन्न मुद्दों पर नियम 267 के तहत कुछ नोटिस मिले हैं जिन्हें उन्होंने स्वीकार नहीं किया। सभापति के इतना कहते ही विपक्षी सदस्यों ने 12 निलंबित सदस्यों का निलंबन रद्द करने का मुद्दा उठाना चाहा। उनके हंगामे की शुरूआत होते ही नायडू ने बैठक 11 बज कर पांच मिनट पर दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह सोमवार, 29 नवंबर को आरंभ हुए संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के 12 सदस्यों को, मॉनसून सत्र के दौरान ''अशोभनीय आचरण'' करने के कारण, इस सत्र की शेष अवधि के लिए उच्च सदन से निलंबित कर दिया गया था। जिन सदस्यों को निलंबित किया गया है उनमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के इलामारम करीम, कांग्रेस की फूलों देवी नेताम, छाया वर्मा, रिपुन बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रताप सिंह, तश्णमूल कांग्रेस की डोला सेन और शांता छेत्री, शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम शामिल हैं। विपक्ष इन सदस्यों का निलंबन वापस लेने की मांग कर रहा है जिसकी वजह से सदन में गतिरोध बना हुआ है और बैठक बार बार बाधित हुई है।

राज्यसभा के निलंबित सदस्यों के समर्थन में विपक्षी नेताओं ने संसद परिसर में धरना दिया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी और कई अन्य विपक्षी सांसदों ने संसद के मानसून सत्र के दौरान उच्च सदन में ''अशोभनीय आचरण'' को लेकर शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए राज्यसभा के 12 सांसदों के खिलाफ की गई निलंबन की कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को संसद परिसर में धरना दिया। निलंबन के बाद से रोजाना प्रदर्शन कर रहे 12 निलंबित विपक्षी सांसदों ने आज भी संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जब तक निलंबन रद्द नहीं होगा, तब तक वे संसद की कार्यवाही के दौरान सुबह से शाम तक महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरने पर बैठेंगे। पिछले सप्ताह सोमवार, 29 नवंबर को आरंभ हुए संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के 12 सदस्यों को इस सत्र की शेष अवधि के लिए उच्च सदन से निलंबित कर दिया गया था। जिन सदस्यों को निलंबित किया गया है उनमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के इलामारम करीम, कांग्रेस की फूलों देवी नेताम, छाया वर्मा, रिपुन बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रताप सिंह, तश्णमूल कांग्रेस की डोला सेन और शांता छेत्री, शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम शामिल हैं। विपक्ष इन सदस्यों का निलंबन वापस लेने की मांग कर रहा है जिसकी वजह से सदन में गतिरोध बना हुआ है और बैठक बार बार बाधित हुई है।

राज्यसभा के निलंबित सदस्यों के समर्थन में विपक्षी नेताओं ने संसद परिसर में धरना दिया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी और कई अन्य विपक्षी सांसदों ने संसद के मानसून सत्र के दौरान उच्च सदन में ''अशोभनीय आचरण'' को लेकर शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए राज्यसभा के 12 सांसदों के खिलाफ की गई निलंबन की कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को संसद परिसर में धरना दिया। निलंबन के बाद से रोजाना प्रदर्शन कर रहे 12 निलंबित विपक्षी सांसदों ने आज भी संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जब तक निलंबन रद्द नहीं होगा, तब तक वे संसद की कार्यवाही के दौरान सुबह से शाम तक महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरने पर बैठेंगे। पिछले सप्ताह सोमवार, 29 नवंबर को आरंभ हुए संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के 12 सदस्यों को इस सत्र की शेष अवधि के लिए उच्च सदन से निलंबित कर दिया गया था। जिन सदस्यों को निलंबित किया गया है उनमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के इलामारम करीम, कांग्रेस की फूलों देवी नेताम, छाया वर्मा, रिपुन बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रताप सिंह, तश्णमूल कांग्रेस की डोला सेन और शांता छेत्री, शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम शामिल हैं। विपक्ष इन सदस्यों का निलंबन वापस लेने की मांग कर रहा है जिसकी वजह से सदन में गतिरोध बना हुआ है और बैठक बार बार बाधित हुई है।

रणवीर सिंह की फिल्म 83 का लहरा दो गाना रिलीज

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म 83 का पहला गाना लहरा दो रिलीज हो गया है। रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 83 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का पहला गाना लहरा दो रिलीज कर गया है। यह गाना लिखा, गियर अप फॉर ग्लोरी। गौरतलब है कि फिल्म 83 की कहानी भारतीय टीम की ऐतिहासिक विश्वकप जीत के इर्द–गिर्द घूमती है।कबीर खान निर्देशित फिल्म 83 साल 1983 विश्वकप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कैप्टन कपिल देव की बायोपिक है, जिसमें रणवीर सिंह लीड कपिल देव का किरदार निभा रहे हैं और उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण उनकी पत्नी रोमी देवी का किरदार निभा रही हैं। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण के अलावा फिल्म में ताहिर राज भसीन, पंकज त्रिपाठी भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में 24 दिसंबर 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है

देशभक्ति की भावना से सराबोर है। लहरा दो गाना के जरिए वर्ष 1983 के वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय टीम की विजयी यात्रा को दर्शाया गया है। इस गाने को जी म्यूजिक कंपनी के आधिकारिक यूट्यूब चौनल पर रिलीज किया गया है। इस गाने को अरिजीत सिंह ने अपनी शानदार आवाज में गाया है।इस सॉन्ग के टीजर वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर रणवीर सिंह ने कैप्शन

लोकसभा में हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जजों के वेतन में संशोधन की मांग वाले विधेयक पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। सरकार मंगलवार को उस विधेयक को पारित करने की कोशिश करेगी, जो पहले ही लोकसभा में पेश किया जा चुका है। कानून मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा पिछले हफ्ते पेश किए गए हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज (वेतन और सेवा की शर्तें) संशोधन विधेयक, 2021 पर चर्चा के बाद निचले सदन में पारित होने की संभावना है। यह विधेयक हाई कोर्ट के जजों (वेतन और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1954 और सुप्रीम कोर्ट जजों (वेतन और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1958 में और संशोधन करेगा। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को बीपीएल सर्वेक्षण (वर्तमान में सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी), 2011) पर ग्रामीण विकास, ग्रामीण विकास मंत्रालय पर स्थायी समिति की 16वीं रिपोर्ट में निहित सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति के बारे में एक बयान देना है। डॉ. हीना गवित और रक्षा खडसे, महिला अधिकारिता समिति (2019–20) की सिफारिशों,

टिप्पणियों पर की गई कार्रवाई पर सरकार द्वारा की गई अंतिम कार्रवाई को दर्शाने वाले विवरण को पटल पर रखेंगी। समिति (2018–19) की 15वीं रिपोर्ट (16वीं लोकसभा) में विद्यालयों में महिला शिक्षकों के काम करने की स्थिति विषय पर निहित है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, साध्वी निरंजन ज्योति, नित्यानंद राय, कैलाश चौधरी, प्रतिमा भौमिक और निसिथ प्रमाणिक अपने–अपने मंत्रालयों से संबंधित दस्तावेज दिखाएंगे। कई संसदीय स्थायी समितियों पर रिपोर्ट और बयान लोकसभा में पेश किए जाएंगे। नागालैंड के मोन जिले में फायरिंग की घटना पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि स्थिति गंभीर लेकिन नियंत्रण में है। सरकार ने मोन जिले में हुई इस घटना पर गहरा खेद व्यक्त किया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। शाह ने कहा कि स्थानीय प्रशासन कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम उठा रहा है क्योंकि जमीनी स्तर पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। लोकसभा ने सोमवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (संशोधन) विधेयक 2021 पारित किया, जो संस्थानों के बीच गतिविधियों के समन्वय के लिए एक परिषद प्रदान करने और फार्मास्युटिकल शिक्षा और अनुसंधान मानकों के विकास को सुनिश्चित करने के लिए 1998 के कानून में संशोधन करता है।

जैकलीन फर्नांडीज से ईडी करेगी 50 सवाल

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को करोड़पति ठग सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम मामले में 50 सवालों का सामना करना पड़ेगा। गवाह के तौर पर जैकलीन अपना बयान दर्ज कराएगी। यह पूछताछ

का एक और दौर होगा। जैकलीन को पहले संबंधित अथॉरिटी ने मुंबई एयरपोर्ट पर रोका था। मुंबई एयरपोर्ट पर उनसे घंटों पूछताछ की गई और फिर उन्हें छोड़ दिया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को एक बार फिर उन्हें चल रही जांच में शामिल होने के लिए समन भेजा। वह बुधवार को ईडी के सामने पेश होंगी। ईडी के अधिकारी केंद्र दिल्ली में एमटीएनएल कार्यालय में उसका बयान दर्ज करेंगे। पूछताछ पांच घंटे से अधिक समय तक चल सकती है। ईडी के अनुरोध पर संबंधित प्राधिकरण द्वारा अभिनेत्री के खिलाफ एक एलओसी (लुक आउट सकरुलर) जारी किया गया था। एजेंसी को संदेह था कि वह देश छोड़कर भाग सकती है और इसलिए उन्होंने संबंधित प्राधिकरण को एक पत्र लिखा था। रविवार शाम वह दिल्ली आने के लिए फ्लाइट पकड़ने ही वाली थी कि उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर रोक दिया गया। ईडी ने शनिवार को पीएमएलए कानून के तहत आरोपपत्र दाखिल किया था जिसमें जैकलीन समेत कुछ बॉलीवुड अभिनेताओं को गवाह बनाया गया था। अदालत ने आरोपपत्र दाखिल होने के तुरंत बाद उसका संज्ञान लिया था और एजेंसी से सभी आरोपियों को आरोप पत्र की प्रति उपलब्ध कराने को कहा था। चार्जशीट मामले में अगली तारीख 13 दिसंबर है। ईडी के अधिकारी इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं।

कपिल ने जीनत अमान से पूछा झरने के नीचे नहाने को लेकर सवाल, ऐक्ट्रेस ने भी दिया खूब जवाब

मुंबई, (वेब वार्ता)। कपिल शर्मा शो पर अगली मेहमान हैं जीनत अमान, पूनम ढिल्लों और अनिता राज। इस एपिसोड का प्रोमो वीडियो सामने आया है जिसमें

कपिल अपने अंदाज में सबकी खिंचाई करते दिख रहे हैं, लेकिन जीनत अमान से जो उन्होंने पूछा उसका ऐक्ट्रेस ने मजेदार जवाब दे डाला है। कपिल शर्मा ने जीनत अमान के गानों की चर्चा करते हुए फिल्म अजनबी का गाना भीगी भीगी रातों में, फिल्म रोटी कपड़ा और मकान का गाना हाय हाय ये मजबूरी को लेकर कपिल ने कुछ ऐसा सवाल पूछा, जिसे सुनकर वहां सभी लोटपोट हो गए। कपिल ने उनसे कहा, 'कभी ये झरने के नीचे शावर ले रही हैं तो कभी बारिश में नहा रही हैं। जीनत जी, कभी आपने अपने डायरेक्टर से पूछा नहीं कि आपको क्या लगता है कि मैं घर से नहा कर नहीं आती?' कपिल की ये बातें सुनकर वहां मौजूद गेस्ट और दर्शक सभी जोर से हंस पड़े। हालांकि, जीनत अमान के पास कपिल के इस सवाल का मजेदार जवाब भी था। उन्होंने कहा, 'मेरी जहन में किसी ने डाला कि जब आपको बारिश में नहलवाते हैं तो प्रड्यूसर के यहां पैसों की बारिश होती है।

पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा की बड़ी कार्यवाही, अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में वारण्टी/मुकदमों में वांछित, इनामिया व निरोधात्मक कार्यवाही में 51 अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वारण्टी(NBW), मुकदमों में वांछित, इनामिया अभियुक्तो की शीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को दिये थे। पिछले 12 घंटे में चलाये गये विशेष अभियान में जनपदीय पुलिस द्वारा वारण्टी(NBW), मुकदमों में वांछित, इनमिया इत्यादि के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही की गयी है। पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में विशेष अभियान के तहत पिछले 12 घण्टे में कार्यवाही करते हुए वारण्टी (NBW), वांछित, इनमिया व निरोधात्मक कार्यवाही में कुल–51 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यह अभियान निरन्तर चलता रहेगा, जिससे जनपद में कानून व शान्ति व्यवस्था बनी रहे।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।